भारत सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

* * *

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2818

(दिनांक 20.12.2023 को उत्तर के लिए)

रोजगार मेला

2818. श्री जगदम्बिका पाल :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2023-24 के दौरान आयोजित रोजगार मेलों का ब्यौरा और कार्य-निष्पादन क्या है;

(ख) क्या राज्य सरकारें सक्रिय रूप से रोजगार मेलों का आयोजन कर रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन राज्यों द्वारा रोजगार सृजन के संदर्भ में की गई विशिष्ट पहलों और परिणामों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) : 'रोजगार मेला' युवाओं के बीच रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करने की ओर उठाया गया एक कदम है।

रोजगार मेला से संबंधित कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए जा रहे हैं तथा नवनियुक्त कर्मियों को स्वास्थ्य एवं शिक्षा संस्थानों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको आदि सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू)/स्वायत्तशासी निकायों में शामिल किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में रिक्त पदों का भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। सभी रिक्त पद मिशन मोड में भरे जा रहे हैं।

(ख) और (ग) : राज्य स्तरीय रोजगार मेलों और राज्य सरकारों द्वारा की गई विशिष्ट पहलों आदि से संबंधित ब्यौरों का रख-रखाव संबंधित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।

देश के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता में सुधार के साथ-साथ उनके लिए रोजगार सृजन करना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। तदनुसार, भारत सरकार ने व्यावसायिक अवसरों को प्रोत्साहन देने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज के अंतर्गत, सरकार विभिन्न राजकोषीय प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है जिसमें दीर्घकालिक योजनाएं/कार्यक्रम/नीतियां शामिल हैं जिससे कि देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकें। इस पैकेज के अलावा देश की अर्थव्यवस्था के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रोजगार और स्व-रोजगार के सृजन के लिए कई योजनाएं आरंभ की गई हैं। इन योजनाओं में आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (एबीआरवाई), उत्पादन से जुड़ी हुई प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, पीएम गतिशक्ति, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) और प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि स्कीम) आदि शामिल हैं।

इन पहलों के अलावा, मेक इन इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट सिटी मिशन, कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन, सभी के लिए घर आदि जैसे सरकार के प्रमुख कार्यक्रम भी युवाओं के लिए राष्ट्रव्यापी रोजगार के अवसरों की ओर उन्मुख हैं।

*****